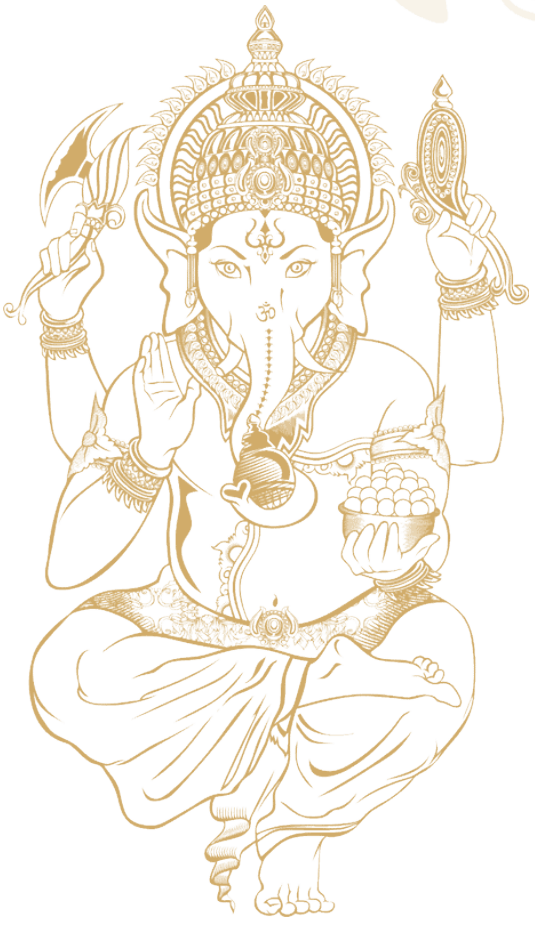

Mr.rahul

Ms. Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119635602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/04/1994	जन्म तिथि	4-05/05/2001
सोम-मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 06:07:00	जन्म समय	01:45:00 घंटे
घटी 59:56:09	जन्म समय(घटी)	50:16:50 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:32	सूर्योदय	05:38:15
18:40:25	सूर्यास्त	18:58:02
23:46:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:15

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 10मा 15दि		19:48:10	मीन	लग्न	मक	29:58:34	चन्द्र 6वर्ष 0मा 25दि	
राहु		21:13:22	मीन	सूर्य	मेष	20:32:39	राहु	
19/02/2008		14:09:56	मक	चंद्र	कन्या	15:14:19	31/05/2014	
18/02/2026		28:38:15	कुंभ	मंगल	धनु	04:53:55	30/05/2032	
राहु	01/11/2010	28:45:37	कुंभ	बुध	वृष	03:29:01	राहु	10/02/2017
गुरु	27/03/2013	18:59:53	तुला व	गुरु	वृष	20:26:40	गुरु	07/07/2019
शनि	01/02/2016	10:11:17	मेष	शुक्र	मीन	11:21:03	शनि	12/05/2022
बुध	20/08/2018	13:58:27	कुंभ	शनि	वृष	07:50:12	बुध	29/11/2024
केतु	08/09/2019	00:49:53	वृश्चि व	राहु व	मिथु	13:54:34	केतु	17/12/2025
शुक्र	07/09/2022	00:49:53	वृष व	केतु व	धनु	13:54:34	शुक्र	17/12/2028
सूर्य	02/08/2023	02:16:59	मक	हर्ष	कुंभ	00:42:57	सूर्य	11/11/2029
चन्द्र	31/01/2025	29:27:16	धनु	नेप	मक	14:53:46	चन्द्र	13/05/2031
मंगल	18/02/2026	03:57:42	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:49:41	मंगल	30/05/2032

लग्न-चलित

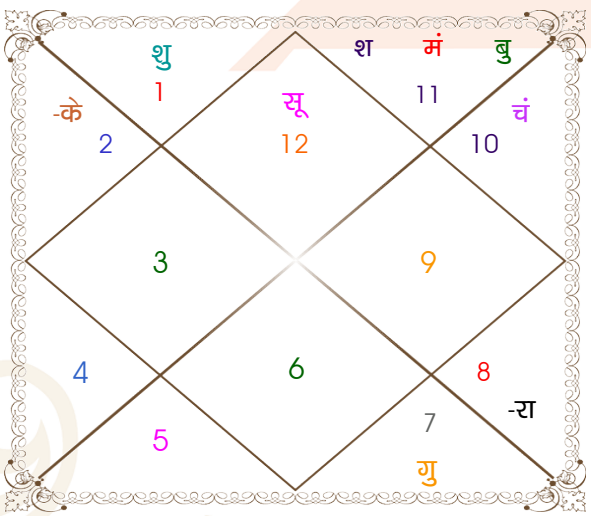

लग्न-चलित

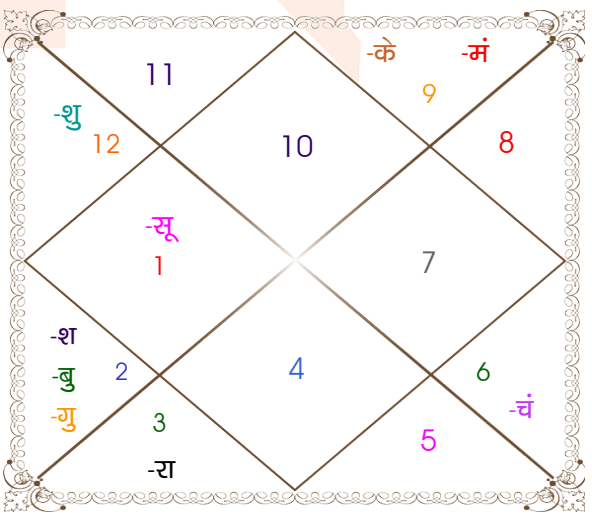

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्तीनस का वर्ग मार्जार है तथा डेण क्वींदीतप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तीनस और डेण क्वींदीतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तीनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

डेण क्वींदीतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण क्वींदीतप कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण क्वींदीतप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण्तीनस कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्तीनस तथा डेण क्वींदीतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।